जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय

प्रेस विज्ञप्ति

10 अक्टूबर 2020

जामिया और अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी ने भाषा और साहित्य पर तीन दिवसीय संयुक्त राष्ट्रीय संगोष्ठी की

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के डिपार्टमेंट ऑफ़ टीचर ट्रेनिंग एंड नॉन-फॉर्मल एजुकेशन (आईएएसई) और अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बंग्लुरु ने, स्कूल शिक्षा में भाषा और साहित्य से संबंधित विषयों पर, तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया है। संगोष्ठी का आयोजन उर्दू और हिंदी भाषाओं में किया जा रहा है।

नौ अक्टूबर को शुरू हुई इस आॅनलाइन संगोष्ठी का उद्घाटन समारोह जामिया की परंपरा को ध्यान में रखते हुए पवित्र कुरान के एक पाठ के साथ शुरू हुआ। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सारा बेगम ने इसमें शामिल, देश भर के मेहमानों का स्वागत किया। यह संगोष्ठी, जामिया के शताब्दी समारोह का एक हिस्सा है। फैकल्टी आॅफ एजुकेशन के डीन प्रो एजाज़ मसीह ने कुलपति का स्वागत किया।

कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने अपने उद्घाटन संबोधन में विश्वविद्यालय के संस्थापकों के साथ-साथ महात्मा गांधी द्वारा साझा किए गए भारत के मूल नज़रिए के बारे बताया। उन्होंने इस तरह के शैक्षणिक सहयोग को आगे बढ़ाने की ज़रूरत बताई। इस अवसर पर प्रो मोहम्मद अख्तर सिद्दीकी ने "जामिया मिल्लिया इस्लामियाः एक मिशन, एक संकल्प" पर अपनी बात रखते हुए विश्वविद्यालय के इतिहास और दर्शन से लोगों को परिचित कराया।

अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बंग्लुरु के डीन अकेडमिक्स, प्रो ह्रदयकांत दीवान ने एपीयू की अनुवाद पहल के बारे में बात की। उन्होंने इस संगोष्ठी श्रृंखला के संदर्भ के बारे में विस्तार से बताया, वर्तमान संगोष्ठी जिसका एक हिस्सा है।

संगोष्ठी की संयोजक प्रो गुरजीत कौर ने इसमें शिरकत करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक